यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई)

संदर्भ: *हाल ही में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने घोषणा की कि भविष्य में यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) को देश भर में लॉन्च किया जाएगा।*

➢ **यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई)**

- **उद्देश्य** :
  - इसका उद्देश्य ऋण प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ाकर लागत कम करके संवितरण में तेजी लाकर और मापनीयता में सुधार करके ऋण परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव लाना है।
- **पायलट प्रोजेक्ट:**
  - इसे पिछले वर्ष के अगस्त में RBI द्वारा लॉन्च किया गया था, जिसका उद्देश्य एक ऐसे सार्वजनिक तकनीकी मंच का निर्माण करना है जो निर्बाध क्रेडिट प्रदान करे।
- **कार्यक्षमता** :
  - यह विभिन्न डेटा सेवा प्रदाताओं से ऋणदाताओं तक डिजिटल सूचना के निर्बाध और सहमति-आधारित प्रवाह की सुविधा प्रदान करता है।
  - 'प्लग एंड प्ले' दृष्टिकोण के लिए डिज़ाइन किए गए मानकीकृत एपीआई, विविध डेटा स्रोतों तक आसान पहुंच की अनुमति देते हैं।
- **फ़ायदे** :
  - ऋण मूल्यांकन के लिए समय कम हो जाता है, विशेष रूप से छोटे और ग्रामीण उधारकर्ताओं के लिए।
  - यह तकनीकी एकीकरण की जटिलता को कम करता है, जिससे कम दस्तावेजीकरण के साथ शीघ्र ऋण वितरण संभव होता है।
  - इससे विशेष रूप से कृषि और एमएसएमई में बड़ी मात्रा में अप्राप्त ऋण मांग को पूरा करने की उम्मीद है।
- **यूपीआई से तुलना:**
  - जिस तरह यूपीआई ने भुगतान को बदल दिया, उसी तरह यूएलआई से भी उधार क्षेत्र में प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।
  - यूएलआई, जेएएम (जन धन, आधार, मोबाइल) और यूपीआई के साथ भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे का हिस्सा है।

➢ **एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (UPI) -**

- **लॉन्च और अवलोकन:**
  - इसे एनपीसीआई द्वारा अप्रैल 2016 में लॉन्च किया गया।
  - यह एक वास्तविक समय भुगतान प्रणाली है, जो एकाधिक बैंक खातों को एक ही मोबाइल एप्लिकेशन में एकीकृत करती है।
- **विशेषताएँ** :
  - यह बैंकिंग सुविधाओं, फंड रूटिंग और मर्चेंट भुगतान को एक प्लेटफ़ॉर्म पर एकीकृत करता है।
  - यह पीयर-टू-पीयर संग्रह अनुरोध और अनुसूचित भुगतान की अनुमति देता है।
  - यह मोबाइल उपकरणों के माध्यम से तत्काल धन हस्तांतरण की सुविधा 24/7 उपलब्ध होती है।
- **प्रभाव:**
  - इसने भारत में खुदरा डिजिटल भुगतान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
  - शुरुआत में इसे बैंकों द्वारा अपनाया गया, बाद में गैर-बैंक तृतीय-पक्ष ऐप प्रदाताओं और क्यूआर कोड के उपयोग द्वारा भी अपनाया गया।
  - इसे विश्व स्तर पर एक मजबूत, लागत प्रभावी और पोर्टेबल भुगतान प्रणाली के रूप में मान्यता प्राप्त है।

➢ **डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) और उभरती प्रौद्योगिकियां**

- **तकनीकी परिवर्तन:**
  - पिछले दशक में पारंपरिक बैंकिंग में महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति हुई है।
  - आगामी वर्षों में इसमें और तेजी आने की उम्मीद है।
- **डीपीआई की भूमिका:**
  - यह लेन-देन की लागत को कम करके, पहुंच को लोकतांत्रिक बनाकर, अंतर-संचालन के माध्यम से प्रतिस्पर्धा बनाए रखकर और निजी पूंजी को आकर्षित करके बाजार नवाचार को बढ़ावा देता है।
  - डीपीआई का सार्वजनिक क्षेत्र में विकास लाभप्रद है, क्योंकि यह अनिश्चित रिटर्न में निवेश करने में निजी क्षेत्र की अनिच्छा को दूर करता है तथा लोकतांत्रिक पहुंच और अंतर-संचालनशीलता सुनिश्चित करता है।
- **चिंताएं** :
  - वित्तीय संस्थाओं को प्रौद्योगिकी जोखिमों, विशेषकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित जोखिमों के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है।

फास्ट-ट्रैक न्यायालय

संदर्भ *: केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बलात्कार और पोक्सो अधिनियम के मामलों को निपटाने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट स्थापित नहीं करने के लिए पश्चिम बंगाल की आलोचना की है तथा इस बात पर प्रकाश डाला कि ऐसी पहल राज्य की जिम्मेदारी है।*

➢ **फास्ट-ट्रैक न्यायालय के बारे में:**

- भारत में विशेष अदालतें बलात्कार और पोक्सो अधिनियम के उल्लंघन सहित यौन अपराधों के मुकदमों में तेजी लाने के लिए बनाई गई हैं।
- इसे यौन अपराधों की बढ़ती आवृत्ति और नियमित अदालती सुनवाई में देरी को दूर करने तथा पीड़ितों के लिए समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया।

➢ **स्थापना:**

- आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम 2018 के बाद इसे गठित किया गया, जिसमें बलात्कार के अपराधियों के लिए मृत्युदंड सहित कठोर दंड का प्रावधान किया गया।
- यौन अपराध के मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए इसे स्थापित किया गया।
- **केन्द्र प्रायोजित योजना:** स्वत: संज्ञान वाली रिट याचिका (आपराधिक) में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद, केन्द्र प्रायोजित योजना के हिस्से के रूप में अगस्त 2019 में फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने की योजना शुरू की गई थी।
- **मंत्रालय:** न्याय विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा इसे कार्यान्वित किया गया।

➢ **उपलब्धियां:**

- तीस राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने 761 FTSCs का संचालन किया गया है, जिनमें 414 विशिष्ट POCSO न्यायालय शामिल हैं।
- 195,000 से अधिक मामलों का निपटारा किया गया, जिससे दूरदराज और दूरस्थ क्षेत्रों में भी समय पर न्याय उपलब्ध कराया गया है।
- **वित्त पोषण:** निर्भया फंड के केंद्रीय हिस्से द्वारा वित्त पोषित।

➢ **उद्देश्य:**

- इसे त्वरित न्याय सुनिश्चित करने, पीड़ितों को त्वरित राहत प्रदान करने तथा यौन अपराधियों के विरुद्ध रोकथाम बढ़ाने के लिए समर्पित न्यायालयों के रूप में निर्मित किया गया।
- यह बलात्कार और पोक्सो अधिनियम के मामलों के प्रभावी निपटान के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार के प्रयासों का समर्थन करता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

➤ न्यायमूर्ति जे.एस. वर्मा समिति की सिफारिशें

Category	Recommendations
Rape	- Recognize rape as a Crime of Power, not just passion. - Expand the definition to include all forms of non-consensual penetration. - Remove the marital rape exception; marriage should not imply automatic consent.
Sexual Assault	- Broaden the definition to include all non-consensual, non-penetrative sexual acts. - Penalty: Up to 5 years of imprisonment or fines.
Verbal Sexual Assault	- Criminalize unwelcome sexual threats. - Punishable by up to 1 year in prison or fines.
Sexual Harassment at Workplace	- Include domestic workers under protections. - Replace internal complaint committees with Employment Tribunals. - Employers to compensate victims of sexual harassment.
Acid Attacks	- Propose a 10-year minimum punishment, separate from grievous hurt. - Establish a compensation fund for victims.
Women in Conflict Areas	- Review AFSPA; exclude government sanction for prosecuting sexual offenses by armed forces. - Appoint special commissioners to monitor offenses.
Trafficking	- Implement comprehensive anti-trafficking laws beyond prostitution. - Establish protective homes for women and juveniles overseen by High Courts.
Child Sexual Abuse	- Define 'harm' and 'health' in the Juvenile Justice Act to include both physical and mental aspects.
Death Penalty	- Oppose chemical castration and the death penalty for rape. - Recommend life imprisonment.
Medical Examination of Rape Victims	- Ban the two-finger test. - The victim's past sexual history should not influence the case.
Reforms in Case Management	- Set up Rape Crisis Cells. - Increase police accountability. - Allow online FIR filing. - Encourage community policing and increase police personnel.

राष्ट्रीय क्वांटम मिशन

***संदर्भ:** हाल ही में भारत राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के तहत अपना पहला क्वांटम कंप्यूटर लॉन्च करने के लिए तैयार है।*

➤ कार्यान्वयन

- **एजेंसी:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)।
- **अवधि:** 2023 से 2031

➤ उद्देश्य

- वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना, उसका पोषण करना और उसे आगे बढ़ाना।
- क्वांटम प्रौद्योगिकी में एक जीवंत और नवीन पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना।
- क्वांटम प्रौद्योगिकी आधारित आर्थिक विकास में तेजी लाना।
- क्वांटम प्रौद्योगिकियों और अनुप्रयोगों के विकास में भारत को अग्रणी राष्ट्र के रूप में स्थापित करना।

➤ लक्ष्य -

- 8 वर्षों में सुपरकंडक्टिंग और फोटोनिक तकनीकों जैसे प्लेटफार्मों का उपयोग करके 50-1000 भौतिक क्यूबिट वाले मध्यवर्ती पैमाने के क्वांटम कंप्यूटर विकसित करना।
- भारत में 2000 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित ग्राउंड स्टेशनों के बीच उपग्रह आधारित सुरक्षित क्वांटम संचार स्थापित करना।
- अन्य देशों के साथ लंबी दूरी की सुरक्षित क्वांटम संचार को सक्षम करना।
- 2000 किमी से अधिक दूरी तक अंतर-शहर क्वांटम कुंजी वितरण को लागू करना।
- क्वांटम मेमोरी के साथ एक मल्टी-नोड क्वांटम नेटवर्क बनाएँ रखना।

➤ विकास

- परमाणु प्रणालियों में उच्च संवेदनशीलता वाले मैग्नेटोमीटर।
- सटीक समय, संचार और नेविगेशन के लिए परमाणु घड़ियाँ।
- क्वांटम सामग्रियों जैसे सुपरकंडक्टर, नवीन अर्धचालक संरचनाएं और टोपोलॉजिकल सामग्रियों का डिजाइन और संश्लेषण।
- क्वांटम संचार, मेट्रोलॉजिकल अनुप्रयोगों के लिए एकल फोटॉन स्रोतों/डिटेक्टरों और उलझे हुए फोटॉन स्रोतों का विकास करना।

➤ **थीमैटिक हब (टी-हब)**

- शीर्ष शैक्षणिक और राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास संस्थानों में स्थापित।
- **डोमेन:**
  - क्वांटम कंप्यूटिंग
  - क्वांटम संचार

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- क्वांटम सेंसिंग और मेट्रोलॉजी
- क्वांटम सामग्री और उपकरण

➤ **महत्व**

- भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रिया, फिनलैंड, फ्रांस, कनाडा और चीन के साथ क्वांटम मिशन वाला भारत सातवां देश होगा।
- क्वांटम प्रौद्योगिकी सैन्य संचार में अग्रणी हैं।
- उन्नत क्वांटम संचार वाला देश महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को सुरक्षित कर सकता है और रणनीतिक लाभ प्राप्त कर सकता है।
- यह मिशन एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, मौसम पूर्वानुमान, सिमुलेशन, सुरक्षित संचार, वित्तीय लेनदेन, साइबर सुरक्षा, उन्नत विनिर्माण, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा में अनुप्रयोगों को बढ़ावा देगा तथा उच्च कौशल वाली नौकरियां और उद्यमिता के अवसर पैदा करेगा।

Classical Computer	Quantum Computer
It is large scale integrated multi-purpose computer(CPU)	It is high speed parallel computer based on quantum mechanics.
Information storage is bit based on voltage/charge etc.	Information storage is Quantum bit based on direction of an electron spin.
Computer runs on bits that have a value of either 0 or 1.	Quantum bits or "qubits" are similar in that for practical purposes we read them as a value of 0 or 1, but they can also hold much more complex information, or even be negative values. Before we read their value they are in an indeterminate state called superposition and can be influenced by other qubits(this is called entanglement). Qubits can be
Discrete number of possible states: 0 or 1. Deterministic: repeated computations on the same input will lead to the same output.	Infinite (continuous) number of possible states. Probabilistic: measurements on superposed states yield probabilistic answers (our confidence in these answers builds up through repeated computations) then reduced to 0 or 1.
Information processing is carried out by logic gates e.g. NOT, AND, OR etc in sequential basis	Information processing is carried out by Quantum logic gates in parallel basis
Only specifically defined results are available, inherently limited by an algorithm's design	Quantum answers (which are in quantity called amplitudes) are probabilistic, meaning that because of superposition and entanglement multiple possible answers are considered in a given computation.
Circuit behaviour is governed by classical physics.	Circuit behaviour is governed explicitly by quantum mechanics.
Operations are defined by Boolean Algebra.	Operations are defined by linear algebra over Hilbert Space and can be represented by unitary matrices with complex elements.
No restrictions exist on copying or measuring signals	Severe restrictions exist on copying and measuring signals
Circuits are easily implemented in fast, scalable and macroscopic technologies such as CMOS.	Circuits must use microscopic technologies that are slow, fragile and not yet scalable e.g. NMR (Nuclear magnetic resonance).

NEWS IN BETWEEN THE LINES

राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान

हाल ही में, राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (NIO) ने विशाखापत्तनम में आरके (RK) बीच पर 150 मीटर की ऊँचाई को समुद्र की धाराओं के उत्तर से दक्षिण की ओर प्राकृतिक बदलाव के कारण बताया है।

राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान के बारे में:

- राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (NIO) एक भारतीय शोध संगठन है जो महासागरों और पृथ्वी की प्रणाली में उनकी भूमिका का अध्ययन करता है।
- यह वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR), नई दिल्ली के तहत 37 प्रयोगशालाओं में से एक है।
- इसकी स्थापना 1960 के दशक के अंतर्राष्ट्रीय हिंद महासागर अभियान (IIOE) के बाद 1 जनवरी, 1966 को हुई थी।
- यह हिंद महासागर की समुद्र विज्ञान संबंधी विशेषताओं पर ध्यान केंद्रित करता है और 5,000 से अधिक शोध लेख प्रकाशित कर चुका है।
- इसके शोध में भौतिक समुद्र विज्ञान, रासायनिक समुद्र विज्ञान, जैविक समुद्र विज्ञान, भूवैज्ञानिक समुद्र विज्ञान, समुद्री भूविज्ञान, भूभौतिकी और समुद्री इंजीनियरिंग सहित कई विषय शामिल हैं।
- यह सरकारी एजेंसियों को तकनीकी और वैज्ञानिक सहायता भी प्रदान करता है और महासागरों की समझ और समाज के लिए उनके महत्व को बढ़ावा देने के लिए शैक्षिक गतिविधियाँ आयोजित करता है।
- इसका मुख्यालय गोवा के डोना पाउला में स्थित है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन

हाल ही में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने सितंबर 2024 से फरवरी 2025 तक संचरण को कम करने और रणनीतिक टीकाकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए $135 मिलियन के बजट के साथ Mpox प्रकोप से निपटने के लिए छह महीने की योजना शुरू की।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के बारे में:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की स्थापना 1948 में हुई थी और यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है।
- यह 194 सदस्य देशों का संगठन है और सभी लोगों के लिए स्वास्थ्य के उच्चतम मानक को प्राप्त करने के लिए उनका समर्थन करने के लिए उन सभी के साथ काम करता है।
- यह रोग की रोकथाम, नियंत्रण, उन्मूलन और समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करता है।
- विश्व स्वास्थ्य सभा (WHA) WHO का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है, जो सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधियों से बना है।
- विश्व स्वास्थ्य सभा प्रतिवर्ष नीतियाँ निर्धारित करने, बजट को मंजूरी देने और महानिदेशक का चुनाव करने के लिए सभा बुलाती है।
- इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विटजरलैंड में स्थित है।

खबरों में व्यक्तित्व
छत्रपति शिवाजी महाराज

मराठा योद्धा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फीट ऊँची प्रतिमा, जिसका अनावरण भारत के प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) ने पिछले साल 4 दिसंबर को नौसेना दिवस समारोह के हिस्से के रूप में महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के एक किले में किया था, यह 26 अगस्त 2024 को ढह गई।

छत्रपति शिवाजी महाराज (19 फरवरी 1630-3 अप्रैल 1680)-

छत्रपति शिवाजी महाराज, एक भारतीय शासक और भोंसले वंश के सदस्य थे, जिनका जन्म वर्तमान महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित शिवनेरी किले में हुआ था।

योगदान:

- छत्रपति शिवाजी महाराज ने जागीरदारी प्रणाली को समाप्त कर दिया और रैयतवारी प्रणाली की शुरुआत की, जिसमें देशमुख, देशपांडे, पाटिल और कुलकर्णी जैसे वंशानुगत राजस्व अधिकारियों की भूमिकाओं में सुधार शामिल थे।
- उन्होंने आठ मंत्रियों के साथ एक केंद्रीकृत प्रशासन की स्थापना की, अपने राज्य को चार प्रांतों में विभाजित किया।
- शिवाजी ने प्रशासन की एक सुदृढ़ प्रणाली स्थापित की, जो शासन की दक्कन शैली से काफी प्रेरित थी।
- उन्होंने मराठा साम्राज्य की स्थापना की जो लगातार बढ़ता रहा और 18वीं शताब्दी की शुरुआत में प्रमुख भारतीय शक्ति बन गया।

समाचार में स्थान
ब्राजील

विदेश मंत्री एस जयशंकर और ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा आज 27 अगस्त को नई दिल्ली में 9वीं भारत-ब्राजील संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे।

ब्राजील (राजधानी: ब्रासीलिया)

स्थान: ब्राज़ील दक्षिण अमेरिका का सबसे बड़ा और सबसे पूर्वी देश है।

सीमाएँ: ब्राजील वेनेजुएला, गुयाना, सूरीनाम, फ्रेंच गुयाना, उरुग्वे, अर्जेंटीना, पैराग्वे, बोलीविया, पेरू और कोलंबिया के साथ अपनी सीमाएँ साझा करता है जबकि इसकी पूर्वी सीमा अटलांटिक महासागर है।

भौतिक विशेषताएँ:

- ब्राजील का सबसे ऊँचा स्थान पिको दा नेब्लिना है, जो ब्राजील और वेनेजुएला की सीमा पर अमेज़न वर्षावन में स्थित है।
- ग्रह की सबसे लंबी नदियों में से एक, अमेज़न नदी न केवल इस क्षेत्र के लिए एक जीवन रेखा है, बल्कि अत्यधिक महत्व का एक प्राकृतिक आश्चर्य भी है।
- दुनिया की सबसे बड़ी उष्णकटिबंधीय आर्द्रभूमि, पैंटानल एक जैव विविधता हॉटस्पॉट और अद्वितीय वन्यजीवों के लिए एक आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र है।
- रियो नीग्रो अमेज़न नदी की सबसे बड़ी बायीं सहायक नदी है, जो अमेज़न बेसिन में लगभग 14% पानी का योगदान देती है।
- ब्राज़ील लौह अयस्क, बॉक्साइट, सोना, तेल, प्राकृतिक गैस सहित प्राकृतिक संसाधनों में समृद्ध है और इसमें व्यापक वानिकी और जल संसाधन हैं।
- ब्राज़ील अपने उत्तरी क्षेत्र में भूमध्य रेखा और दक्षिणी भाग में मकर रेखा से घिरा हुआ है।

सदस्यता: ब्राज़ील कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है, जिनमें संयुक्त राष्ट्र (यूएन), विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ), ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका), मर्कोसुर (दक्षिणी आम बाजार), अमेरिकी राज्यों का संगठन (ओएएस) और जी20 (ग्रुप ऑफ ट्वेंटी) शामिल हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

POINTS TO PONDER

- किस देश ने हाल ही में अपना पहला पुन: प्रयोज्य हाइब्रिड रॉकेट "RHUMI 1" लॉन्च किया है? – **भारत**
- किस मंत्रालय ने हाल ही में स्वास्थ्य सेवा को बढ़ाने के लिए "राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर (एनएमआर) पोर्टल" पेश किया है? – **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय**
- हाल ही में भारत की पहली महिला राष्ट्रीय रेसिंग चैंपियन कौन बनीं? – **डायना पुंडोले**
- किस अंतरिक्ष एजेंसी ने हाल ही में मीथेन उत्सर्जन की निगरानी के लिए "टैनेजर-1 सैटेलाइट" लॉन्च किया है? – **नासा**
- हाल ही में किस राज्य में दक्षिण भारतीय आदिवासी ज्ञान केंद्र "कानू" का उद्घाटन किया गया? – **कर्नाटक**